

97. सीखने में प्रयास व भूल के सिद्धान्त का प्रतिपादन किसे किया?

[UPTET-2017]

- (a) कोहलर (b) पैवलव
(c) थॉर्नडाइक (d) गेस्टाल्ट

98. क्रियाप्रसूत अनुबन्धन सिद्धान्त का प्रतिपादन किया

[UPTET-2017]

- (a) हल ने (b) थॉर्नडाइक ने
(c) हेगार्टी ने (d) स्किनर ने

99. कोहलर निम्न में से किससे सम्बन्धित हैं?

[UPTET-2017]

- (a) अभिप्रेरणा का सिद्धान्त
(b) विकास का सिद्धान्त
(c) व्यक्तित्व का सिद्धान्त
(d) अधिगम का सिद्धान्त

100. निम्न में कौन शेष से भिन्न हैं?

[UPTET-2017]

- (a) अधिगम के लिए अधिगम का सिद्धान्त
(b) समान अवयवों का सिद्धान्त
(c) ड्राइव रिडक्शन सिद्धान्त
(d) सामान्यीकरण का सिद्धान्त

101. एक बालक, जो साइकिल चलाना जानता है, मोटरबाइक चलाना सीख रहा है। यह उदाहरण होगा

[UPTET-2017]

- (a) क्षैतिज अधिगम अन्तरण का
(b) ऊर्ध्व अधिगम अन्तरण का
(c) द्विपार्श्विक अधिगम अन्तरण का
(d) कोई भी अधिगम अन्तरण का

102. निम्न में से कौन-सा अधिगम के पठार का कारण नहीं है?

[UPTET-2017]

- (a) प्रेरणा का सीमा
(b) विशालता का अनुपयोग
(c) शारीरिक सीमा
(d) ज्ञान का सीमा

103. "अधिगम, अनुभव और प्रशिक्षण के परिणामस्वरूप व्यवहार में परिवर्तन है।" यह कथन किनके द्वारा दिया गया?

[UPTET-2017]

- (a) रोड्स व अन्य
(b) मॉर्गन और गिल्लिलैण्ड
(c) स्किनर
(d) क्रॉनबैक

104. मूल प्रवृत्तियों को चौदह प्रकार से किसने वर्गीकृत किया है?

[UPTET-2017]

- (a) डेवर (b) मैकडगल
(c) थॉर्नडाइक (d) बुडवर्थ

105. निम्न में से कौन-सा युग्म सही नहीं है?

[UPTET-2017]

- (a) सीखने का उद्दीपक-अनुक्रिया सिद्धान्त-थॉर्नडाइक
(b) सीखने का क्रियाप्रसूत अनुबन्धन सिद्धान्त-बौ-एफ-स्किनर
(c) सीखने का क्लासिकल सिद्धान्त-पैवलव
(d) सीखने का समग्र सिद्धान्त-हल

उत्तरमाला																	
1	(b)	13	(a)	25	(c)	37	(a)	49	(c)	61	(c)	73	(b)	85	(b)	97	(c)
2	(c)	14	(c)	26	(d)	38	(b)	50	(c)	62	(c)	74	(b)	86	(d)	98	(a)
3	(a)	15	(c)	27	(b)	39	(a)	51	(b)	63	(d)	75	(d)	87	(c)	99	(d)
4	(d)	16	(d)	28	(c)	40	(c)	52	(b)	64	(b)	76	(c)	88	(a)	100	(c)
5	(b)	17	(b)	29	(d)	41	(a)	53	(b)	65	(b)	77	(a)	89	(b)	101	(b)
6	(d)	18	(c)	30	(b)	42	(b)	54	(b)	66	(a)	78	(d)	90	(a)	102	(b)
7	(d)	19	(b)	31	(d)	43	(b)	55	(c)	67	(a)	79	(d)	91	(a)	103	(a)
8	(d)	20	(c)	32	(a)	44	(d)	56	(b)	68	(d)	80	(b)	92	(b)	104	(b)
9	(c)	21	(a)	33	(b)	45	(c)	57	(c)	69	(b)	81	(d)	93	(b)	105	(d)
10	(a)	22	(c)	34	(d)	46	(d)	58	(d)	70	(c)	82	(a)	94	(b)		
11	(d)	23	(d)	35	(c)	47	(c)	59	(b)	71	(c)	83	(b)	95	(b)		
12	(d)	24	(b)	36	(c)	48	(a)	60	(d)	72	(b)	84	(c)	96	(b)		

व्याख्या सहित उत्तर

2. (c) जब हम पूर्व अनुभवों को वर्तमान अनुभवों से जोड़ना सीख लेते हैं तो इसमें 'सादृश्यता का नियम' लागू होता है।
22. (c) जब कोई विद्यार्थी किसी कार्य को अपनी स्वयं की इच्छा से करता है तो वह विद्यार्थी आन्तरिक रूप से अभिप्रेरित होता है।
23. (d) दृश्य-श्रव्य सामग्री में आँख और कान साथ-साथ कार्य करते हैं, क्योंकि ज्ञान विभिन्न ज्ञानेन्द्रियों को माध्यम से प्राप्त किया जाता है, जिससे अधिकतम इन्द्रियों का उपयोग सीखने को संवर्धित होता है।
24. (b) आशिक पुनर्बलन सतत् पुनर्बलन की अपेक्षा अधिक प्रभावी रहता है व तीव्र अधिगम हेतु प्रेरित करता है।
26. (d) स्कैफोल्डिंग से तात्पर्य है प्रभावी अधिगम हेतु बयस्कों द्वारा छात्र को अस्थायी सहयोग या संकेत देना जिससे छात्र गहनता से अध्ययन कर सकें।
28. (c) वह विद्यार्थी जो आन्तरिक रूप से प्रेरित हो, उसे बाहरी पुरस्कार द्वारा अभिप्रेरित करने की कोई आवश्यकता नहीं। वह आन्तरिक रूप से प्रेरित है तो लक्ष्य-प्राप्त तक रुकेंगा ही नहीं।
30. (b) शिक्षार्थियों द्वारा 'सीखने की तत्परता' संकेत करता है कि शिक्षार्थी शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक रूप से सीखने के लिए तैयार है अथवा नहीं।
31. (d) सांस्कृतिक कारक के अतिरिक्त अन्य सभी के कारण अधिगम अक्षमता उत्पन्न हो सकती है।
32. (a) प्रश्न में दिए गए विकल्पों में, शिक्षक की शिक्षण-शैली के अतिरिक्त अन्य सभी के कारण अधिगम अक्षमता उत्पन्न हो सकती है।
72. (b)
73. (b) किसी प्राथमिक विद्यालय में एक शिक्षक को छात्रों की उनके उद्देश्य को निर्धारित करने हेतु उनको सहयोग देना, भावनाएं एवं उद्देश्य, प्रदर्शित करना सम्मिलित है। इसमें परिणामस्वरूप वस्तु, घटना या प्रक्रिया में ध्यान संकीर्ण होता है।
74. (b) जब छात्र निश्चित पुस्तकों का पढ़ते हैं तो बच्चों को एक प्रमाणपत्र प्रदान किया जाता है। लंबी अवधि में यह रणनीति काम नहीं करती क्योंकि यह प्रवृत्ति छात्रों के अन्दर केवल प्रमाणपत्र के लिए पढ़ने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देगी।

75. (d) प्रोत्साहन का वर्णन एक ऐसी स्थिति के रूप में किया जाता है जो हमें शक्ति प्रदान करता है, निर्देशित करता है एवं व्यवहार को संयमित रखता है। प्रोत्साहन में उद्देश्य सम्मिलित रहता है एवं इसके लिए सक्रियता की जरूरत होती है।
76. (c) किसी मनुष्य के अनुभवों की एक स्थिति को ही हमारी दैनिक जीवन की भाषा में भावनाएँ कहते हैं। भावनाएँ अकसर प्रकृति, व्यक्तित्व, स्थिति, शिक्षा एवं प्रोत्साहन से संबंधित रहती हैं।
77. (a) शिशु अपने विकास के साथ नित-नवीन व्यवहारों को सीखता है। नवीन संवेगों के प्रति अभिव्यक्ति, नियन्त्रण एवं उनके अर्थ को भी बालक जानने लगता है। बड़े होने पर व्यक्ति में जिन संवेगों का विकास होता है उनमें परिपक्वता की अपेक्षा अधिगम की महती भूमिका होती है।
78. (d) अपने चिंतन में अवधारणात्मक परिवर्तन लाने हेतु शिक्षार्थियों को सक्षम बनाने के लिए शिक्षका को स्पष्ट और आवश्यक करने वाली व्याख्या देनी चाहिए तथा शिक्षार्थियों के साथ चर्चा करनी चाहिए। विद्यार्थी की विषय के प्रति जिज्ञासा को चर्चा के द्वारा शांत करना चाहिए जब वह विषय को भली भाँति समझ लेगा तब अवधारणा में परिवर्तन आएगा।
79. (d) बच्चे तब सर्वाधिक सृजनशील होते हैं, जब किसी गतिविधि में अपनी रुचि से भाग लेते हैं। अपनी रुचि से गतिविधि में भाग लेने पर बच्चे मानसिक रूप से तैयार होते हैं। अपने मन से वे कार्य करते हैं। पुरस्कार के लिए, शिक्षक की डाँट से बचने के लिए दूसरों के सामने अच्छा करने के दबाव में आकर भाग लेने वाली गतिविधि में सृजनात्मकता नहीं होती है।
80. (b) जब विद्यार्थियों को समूह में किसी समस्या पर चर्चा का अवसर दिया जाता है, तब उसके सीखने का वक्र बेहतर होता है क्योंकि विद्यार्थी समूह में अधिक सीखता है।
81. (d) नवीन ज्ञान व नवीन प्रतिक्रियाओं को प्राप्त करने के को प्रक्रिया अधिगम को प्रक्रिया है। प्रेरणा कार्य को प्रारंभ करने, जारी रखने और नियमित करने की प्रक्रिया है। आन्तरिक अभिप्रेरणा के बिना अधिगम संभव नहीं है।
83. (b) जब बालक को किसी कार्य को करने से पुरस्कार मिलता है तो वह उस क्रिया को दोहराता है। अतः पुरस्कार बालक में सीखने की प्रक्रिया को पुष्ट करती है।
84. (c) बच्चों को समस्या-समाधान के लिए विभिन्न तरीकों की सोचने के लिए कहकर शिक्षक बच्चों को सृजनात्मक विचारों के लिए प्रोत्साहित कर सकता है।
86. (d) आन्तरिक (भीतरी) प्रेरणा में बालक किसी कार्य को अपनी स्वयं की इच्छा से करता है। इस कार्य को करने से उसे सुख और संतोष प्राप्त होता है।
89. (b) उपर्युक्त सभी कारक अधिगम को प्रभावित करते हैं।
90. (a) सार्थक अधिगम का अर्थ है विद्यार्थी सीखे हुए ज्ञान को पूर्णतः समझ जाते हैं और पूर्व सीखे गये संग्रहीत तथ्यों से सम्बन्धित कर लेते हैं।
91. (a) ई० एल० थर्नडाइक ने सीखने के तीन मुख्य नियम एवं पांच गौण नियम प्रतिपादित किए हैं। उनके अनुसार, जब हम किसी कार्य को सीखने के लिए तैयार या तत्पर होते हैं, तो हम उसे शीघ्र सीख लेते हैं।
93. (b) ऐसी कोई क्रिया जो अनुक्रिया को संख्या में वृद्धि करती है, पुनर्बलन कहलाती है।
94. (b) आधुनिक अनुदेशन सिद्धान्तों का जनक राबर्ट गैन को माना जाता है। गैने ने अधिगम के निम्नांकित

आठ प्रकारों की व्याख्या की है:

- | | |
|---------------------|-----------------------------|
| 1. संकेत अधिगम, | 2. उद्दीपक-अनुक्रिया अधिगम, |
| 3. श्रृंखला अधिगम, | 4. शाब्दिक साहचर्य अधिगम |
| 5. विभेद अधिगम, | 6. सार्वभौमिक अधिगम, |
| 7. सिद्धान्त अधिगम, | 8. समस्या-समाधान अधिगम |

95. (b) अभिप्रेरणा लक्ष्य-आधारित व्यवहार का उत्प्रेरण है। आन्तरिक प्रेरणा तब प्रकट होती है जब लोग कुछ करने के लिए आन्तरिक रूप से प्रेरित होते हैं, क्योंकि यह या तो उन्हें खुशी देती है, उन्हें लगता है कि यह महत्वपूर्ण है, या महसूस करते हैं कि वे जो सीख रहे हैं वो सार्थक है।
96. (b) सीखने की प्रक्रिया को एक प्रमुख विशेषता पठार है। इससे उस अवधि को व्यक्त करते हैं जब सीखने की क्रिया में कोई उन्नति नहीं होती है।
97. (c) सीखने में प्रयास व भूल के सिद्धान्त का प्रतिपादन ई.एल. थॉर्नडाइक ने किया है। उन्होंने इस सिद्धान्त के विषय में बताया हुआ कहा है, कि जब व्यक्ति कोई कार्य सीखता है, तब उसके सामने एक विशेष स्थिति या उद्दीपक होता है, तो उसे विशेष प्रकार की प्रतिक्रिया करने के लिए प्रेरित करता है।
98. (a) क्रियाप्रसूत अनुबंधन के सिद्धान्त की नींव ई.एल. थॉर्नडाइक द्वारा ही रखी गयी थी। परन्तु इसका पूर्णरूपेण विकास बी.एफ. स्कीनर द्वारा किया गया। स्किनर के क्रियाप्रसूत अनुकूलन सिद्धान्त के अनुसार व्यवहार के परिणाम, क्रिया को होने की संभावना को प्रभावित करते हैं।
99. (d) सीखने के सूझ व अन्तःदृष्टि के सिद्धान्त का प्रतिपादन कोहलर ने किया था। यह सिद्धान्त गैस्टाल्टवाद से सम्बन्धित है।
101. (b) एक परिस्थिति में सीखे हुए ज्ञान, कौशल, आदतों का अन्य परिस्थिति में अनुप्रयोग ही अधिगम या प्रशिक्षण का अन्तरण है। साइकिल चलाने वाले बालक के लिए मोटरबाइक चलाना सीखना ऊर्ध्व अधिगम अन्तरण का उदाहरण है।
104. (b) मैक्डगल के अनुसार-“संवेग उत्पन्न होने पर जो क्रिया होती है वह मूलप्रवृत्ति कहलाती है।

अभ्यास - 2

1. दृष्टि या सूत्र को सिद्धान्त के जनक हैं-
(a) मैकगुल (b) वेवर
(c) कोह्लर (d) पैवलाव
2. पैवलाव ने सम्बद्ध प्रत्यावर्तन सिद्धान्त का प्रयोग सर्वप्रथम किस पर किया?
(a) बिल्ली पर (b) बंदर पर
(c) कुत्ते पर (d) चूहे पर
3. एक शिक्षक अपने अध्यापन में बालकों के पूर्व ज्ञान को नवीन ज्ञान से जोड़ता है यह किस शिक्षण सूत्र पर आधारित है-
(a) ज्ञात से अज्ञात
(b) पूर्ण से अंश
(c) अनिश्चित से निश्चित
(d) उपरोक्त में से नहीं
4. शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में स्वतंत्र चर हैं-
(a) शिक्षक (b) शिक्षार्थी
(c) कक्षा-कक्ष (d) पाठ्य-वस्तु
5. शिक्षण के स्तर हैं-
(a) स्मृति (b) बोध
(c) चिन्तन (d) उपरोक्त सभी।
6. शिक्षण की अवस्थाएँ मानी गई हैं-
(a) 2 (b) 4
(c) 3 (d) 5
7. आगमन विधि के जन्मदाता हैं-
(a) फ्रोबेल (b) ब्रेकन
(c) वर्ट (d) अरस्तु
8. मैस्लो ने सबसे अधिक महत्वपूर्ण किन आवश्यकताओं को माना है?
(a) सुरक्षा सम्बन्धी
(b) शारीरिक आवश्यकता
(c) स्नेह की आवश्यकता
(d) सम्मान की आवश्यकता
9. थार्नडाइक के अनुसार सीखने के मुख्य नियम कितने हैं?
(a) 3 (b) 2
(c) 5 (d) 7
10. आत्म-केंद्रित व्यक्ति को किस वर्ग में रखा जाता है?
(a) अन्तर्मुखी (b) बहिर्मुखी
(c) उभयमुखी (d) इनमें से कोई नहीं
11. मूल्यों के आधार पर व्यक्तित्व का वर्गीकरण किसने किया है?
(a) मरे (b) मार्गन
(c) थार्नडाइक (d) स्पेन्सर
12. कथा प्रसंग परीक्षण (TAT) का निर्माण किसने किया?
(a) मरे (b) मरे मार्गन
(c) मार्गन (d) बैलक
13. बालक का स्वास्थ्य किस तत्त्व पर निर्भर करता है?
(a) परिवार पर (b) विद्यालय पर
(c) समाज पर (d) इन सभी पर
14. शिक्षक का मानसिक स्वास्थ्य किसके लिए उपयोगी होता है?
(a) स्वयं के लिए (b) शिक्षार्थियों के लिए
(c) समाज के लिए (d) सभी के लिए
15. पुरस्कार एक प्रेरणा है-
(a) अप्रत्यक्ष (b) प्रत्यक्ष
(c) नकारात्मक (d) सकारात्मक
16. विद्यार्थियों को पुरस्कार देने का उद्देश्य होता है-
(a) उत्तम गुणों का विकास
(b) प्रलोभन लेने की आदत
(c) श्रवण का अर्थ समझना
(d) संवेगों को उद्दीप्त करना
17. दण्ड बालकों पर कैसा प्रभाव डालता है?
(a) पारायिकता (b) सुधारात्मक
(c) अल्पकालिक (d) बदला प्रेरक
18. यह एक सामाजिक प्रेरक है-
(a) भूख (b) व्यास
(c) आत्म-गौरव (d) प्रेम
19. जैविक प्रेरक है-
(a) नींद (b) अर्जनात्मकता
(c) मद्यपान (d) आत्म-प्रशंसा
20. प्रशंसा व निंदा दो ऐसी प्रेरणायें हैं जो बालक में वृद्धि करती हैं-
(a) अनुशासन की
(b) शरीर की
(c) सामाजिक प्रेरक की
(d) उपरोक्त सभी

21. अभिप्रेरणा का प्रश्न 'क्यों' का प्रश्न है" यह कथन है-
 (a) हिल्गार्ड (b) क्रेच व क्रचफोल्ड
 (c) बुडवर्थ (d) स्किनर
22. वियना के सिमंड फ्रायड किस वाद के प्रवर्तक थे
 (a) व्यवहारवाद (b) संरचनावाद
 (c) प्रयोजनवाद (d) मनो-विश्लेषणवाद
23. अन्तर्दृष्टि का सिद्धान्त प्रतिपादित किया-
 (a) मनो-विश्लेषणवाद ने
 (b) अवयवीवाद
 (c) प्रयोजनवाद
 (d) पूर्णांगवाद
24. अनुभव व प्रशिक्षण द्वारा व्यवहार में रूपान्तरण ही अधिगम है। यह कथन किसका है?
 (a) स्किनर (b) कानविक
 (c) मेट्स व अन्य (d) बुडवर्थ
25. आई.पी. पैवलाव ने प्रयोग किया है-
 (a) बिल्ली पर (b) चूहों पर
 (c) कुत्तों पर (d) चिम्पाजी पर
26. अधिगम के प्रयत्न व मूल सिद्धान्त के प्रतिपादक हैं-
 (a) कोह्लर (b) वार्नडाइक
 (c) हल (d) पैवलाव
27. गेस्टाल्ट स्कूल ऑफ साइकलोजी के प्रणेता हैं-
 (a) कोह्लर (b) स्किनर
 (c) पेस्टाल्जी (d) वाटसन
28. व्यक्तित्व मापन की परीक्षण विधि है-
 (a) रोशार् परीक्षण
 (b) परिस्थिति परीक्षण
 (c) व्यक्तित्व परीक्षण
 (d) व्यक्ति इतिहास
29. मानवीय आवश्यकता सिद्धान्त का प्रतिपादन किया-
 (a) जान बी. डिस्को
 (b) डी हैब ने
 (c) मेस्लो ने
 (d) मरे ने
30. अभिप्रेरणा का स्वास्थ्य सिद्धान्त दिया है-
 (a) डी हैब (b) डिस्को ने
 (c) एच वर्ग (d) स्किनर
31. अभिप्रेरणा देने की प्रमुख विधि है-
 (a) प्रशंसा करना
 (b) पुरस्कार देना
 (c) प्रतियोगिता करना
 (d) उपरोक्त सभी
32. अभिप्रेरणा देने वाला घटक है-
 (a) आकांक्षा स्तर (b) उत्तेजना देना
 (c) प्रोत्साहन करना (d) उपरोक्त सभी
33. प्रेरक होता है-
 (a) निस्पत्ति (b) प्रगति
 (c) उत्तरदायित्व (d) उपरोक्त सभी
34. सशक्त अभिप्रेरणा सीखने का प्रभावशाली घटक है-
 (a) बालक स्वस्थ रहता है
 (b) भक्ति करता है
 (c) शीघ्र सीखता है
 (d) प्रसन्न रहता है
35. हम कस्के सीखते हैं। किसने कहा
 (a) डॉ. मेस (b) योक्स
 (c) कालसेनिक (d) सिम्पसन

उत्तरमाला

1	(c)	6	(c)	11	(d)	16	(a)	21	(b)	26	(b)	31	(d)
2	(c)	7	(b)	12	(b)	17	(b)	22	(d)	27	(a)	32	(d)
3	(a)	8	(b)	13	(a)	18	(c)	23	(b)	28	(a)	33	(d)
4	(a)	9	(a)	14	(d)	19	(a)	24	(b)	29	(c)	34	(c)
5	(d)	10	(a)	15	(b)	20	(a)	25	(c)	30	(c)	35	(a)

सामान्यतः हम देखते हैं कि मापन मूल्यांकन व आकलन को हम एक ही अर्थ में लेते हैं, परन्तु ऐसा नहीं कि ये प्रत्येक एक समान नहीं हैं। मूल्यांकन का सम्बन्ध छात्रों की उपलब्धि से है। आकलन से अभिप्राय आँकड़ों के विश्लेषण व उनकी व्याख्या से है। आकलन का प्रमुख उद्देश्य शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में सुधार लाना व बच्चों के अभिभावकों को अधिगम प्रक्रिया में बालक की भूमिका के विषय में बताना तथा उसकी कमियों को बताना है।

मूल्यांकन

मूल्यांकन से अभिप्राय है कि छात्र ने किस सीमा तक ज्ञान प्राप्त किया है, NCERT के अनुसार-
मूल्यांकन एक ऐसी सतत् व व्यवस्थित प्रक्रिया है, जो देखती है कि-

- निर्धारित शैक्षिक उद्देश्यों की प्राप्ति किस सीमा तक हो रही है?
- कक्षा में दिये गये अधिगम अनुभव कितने प्रभावशाली रहे हैं?
- शिक्षा के लक्ष्य कितने अच्छे ढंग से पूर्ण हो रहे हैं?

इस प्रकार मूल्यांकन बच्चे के सम्पूर्ण व्यक्तित्व व अधिगम प्रक्रिया का होता है। अधिगम प्रक्रिया के समस्त अंगों का मूल्यांकन समाहित है।

मूल्यांकन प्रक्रिया के सोपान

1. उद्देश्यों का निर्धारण-

- सामान्य उद्देश्यों का निर्धारण
- विशिष्ट उद्देश्यों का निर्धारण व परिभाषीकरण

2. अधिगम क्रियाओं का आयोजन -

- शिक्षण विन्दुओं का चयन करना
- उपयुक्त अधिगम क्रियाएँ आयोजित करना

3. मूल्यांकन-

- छात्रों के व्यवहार परिवर्तन को जानना
- प्राप्त साक्ष्य के आधार पर मूल्यांकन
- परिणामों को पृष्ठपोषण के रूप में प्रयुक्त करना

मूल्यांकन के उद्देश्य-

- छात्रों की वृद्धि तथा विकास में सहायता करना ।
- छात्रों द्वारा अर्जित ज्ञान को जाँचना ।
- छात्रों की वृद्धि व विकास में आये अवरोधों को जानना ।
- छात्रों की शैक्षिक प्रगति में बाधक तत्वों की जानकारी लेना ।
- छात्रों की व्यक्तिगत विभिन्नता को जानना ।
- शिक्षण, प्रभावशीलता को ज्ञात करना ।
- छात्रों को अधिगम हेतु प्रेरित करना ।
- पाठ्यक्रम में सुधार हेतु आधार तैयार करना ।
- शिक्षण विधियों तथा सहायक सामग्री की उपयोगिता को जाँचना ।
- छात्रों की योग्यता आधारित वर्गीकरण करना ।

सतत् व व्यापक मूल्यांकन

सतत्-व्यापक मूल्यांकन का प्रत्यय वस्तुतः परीक्षा सुधार के दो सिद्धान्तों पर निर्भर है। प्रथम, जो व्यक्ति अध्यापन करे, वह व्यक्ति मूल्यांकन का कार्य भी करे तथा द्वितीय, मूल्यांकन कार्य सत्रों में न होकर पूरे सत्र के दौरान चलता रहे। इस प्रणाली में छात्रों की शैक्षिक प्रगति का मूल्यांकन शिक्षण कार्य कर रहे अध्यापकों द्वारा सत्र के मध्य में थोड़े-थोड़े अन्तराल पर किया जाये व छात्रों को उनकी कमियों व सफलता की जानकारी दी जाये। अध्यापकों के द्वारा छात्रों की शैक्षिक प्रगति का मूल्यांकन करने के लिए लिखित परीक्षाओं के अतिरिक्त मापन व मूल्यांकन की विभिन्न प्रविधियों व उपकरणों का प्रयोग किया जा सकता है।

यह मूल्यांकन छात्रों के साथ-साथ अध्यापकों को भी अपनी शिक्षण योजना में सुधार करने के अवसर देता है। सतत् व व्यापक मूल्यांकन प्रणाली उस प्राचीन परम्परा का ही अधिक व्यवस्थित व औपचारिक रूप है जिसमें अध्यापकगण दैनिक, साप्ताहिक, पक्षिक, मासिक, त्रैमासिक, अर्द्धवार्षिक तथा वार्षिक परीक्षाओं द्वारा अपने छात्रों के ज्ञान, बोध एवं कौशल का मापन करते थे व उन्हें सुधार हेतु आवश्यक पृष्ठपोषण प्रदान करते थे।

सतत् व व्यापक मूल्यांकन ही छात्रों का व्यापक दृष्टि से मूल्यांकन करने में समर्थ हो सकता है। बुद्धि, रुचि, अभिवृत्ति, व्यक्तित्व व सामाजिक गुण, नैतिक चरित्र, पाठ्य-सहगामी क्रियाओं में सहभागिता जैसे व्यक्तित्व आयामों की जानकारी केवल व्यापक मूल्यांकन द्वारा ही संभव है।

सतत् व व्यापक मूल्यांकन प्रणाली की सार्थकता अध्यापकों के ऊपर निर्भर है। यदि अध्यापक कर्तव्य परायणता, निष्ठा व विश्वास द्वारा सतत् मूल्यांकन का कार्य सम्पादित करें तो यह प्रणाली शिक्षा प्रणाली में एक क्रान्तिकारी परिवर्तन ला सकेगी।

मूल्यांकन की प्रविधियाँ

1. परीक्षा-

- लिखित
- मौखिक
- निबंधात्मक
- वस्तुनिष्ठ
- प्रयोगात्मक
- निबंधात्मक

3. स्व-सूचना-

- प्रश्नावली
 - खुली
 - बन्द
- अभिवृत्ति मापनी
- समाजमिति तालिका

5. प्रक्षेपण-

- मसिलक्ष्य प्रत्यक्षोकरण
- चित्र व्याख्या
- वाक्यपूर्ति

2. अवलोकन-

- मापनी
- चैक लिस्ट
- संचयी अभिलेख
- एनेक डोटल आलेख

4. साक्षात्कार-

- नैदानिक साक्षात्कार
- शोध साक्षात्कार
- निदानात्मक साक्षात्कार
- केन्द्रित साक्षात्कार

6. समाजमिति-

- सोशियोग्राम
- समाजमिति

मात्रात्मक मापन के लिये अध्यापक लिखित व मौखिक परीक्षाओं का उपयोग कर सकता है। जबकि मापन के लिये अवलोकन समाजमिति, स्वसूचना साक्षात्कार जैसी तकनीकें प्रयोग की जा सकती हैं।

अभ्यास-1 : विगत वर्षों के CTET एवं STET के प्रश्न

1. आकलन को 'उपयोगी और रोचक' प्रक्रिया बनाने के लिए के प्रति सचेत होना चाहिए।
[CTET-2011-II]
 (a) शैक्षिक और सह-शैक्षिक क्षेत्रों में विद्यार्थी के सीखने के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए विविध तरीकों का प्रयोग करना
 (b) प्रतिपुष्टि (फीडबैक) देने के लिए तकनीकी भाषा का प्रयोग करना
 (c) अलग-अलग विद्यार्थियों से तुलना करना
 (d) विद्यार्थियों को बुद्धिमान या औसत शिक्षार्थी की उपाधि देना
2. विद्यार्थियों के सीखने में जो रिक्रियाएँ रह जाती हैं, उनके निदान के बाद होना चाहिए।
[CTET-2011-II]
 (a) शिक्षार्थियों और अभिभावकों को उपलब्धि के बारे में बताना
 (b) समुचित उपचारात्मक कार्य
 (c) सधन अभ्यास कार्य
 (d) सभी पाठों को व्यवस्थित रूप से दोहराना
3. सृजनात्मक उत्तरों के लिए आवश्यक है-
[CTET-2011-II]
 (a) एक अत्यंत अनुशासित कक्षा
 (b) प्रत्यक्ष शिक्षण एवं प्रत्यक्ष प्रश्न
 (c) विषय-वस्तु आधारित प्रश्न
 (d) मुक्त-वस्तु वाले प्रश्न
4. निर्मलखित में से कौन-सा रचनात्मक आकलन (Formative Assessment) के लिए उचित उपकरण नहीं है? [CTET-2011-II]
 (a) प्रश्नोत्तरी और खेल
 (b) दत्त कार्य
 (c) मौखिक प्रश्न
 (d) सत्र परीक्षा
5. मूल्यांकन (assessment) का मुख्य उद्देश्य होना चाहिए- [CTET-2011-II]
 (a) सीखने में होने वाली कमियों का निदान और उपचार करना
 (b) शिक्षार्थियों की बुद्धि निर्धारित करना
 (c) शिक्षार्थियों की उपलब्धि को मापना
 (d) यह निर्णय लेना कि क्या विद्यार्थी को अगली कक्षा में प्रवेश दिलाया जाए।
6. क्रिस्टिना अपनी कक्षा को क्षेत्र-भ्रमण पर ले जाती है और वापस आने पर अपने विद्यार्थियों के साथ भ्रमण पर चर्चा करती है। यह की ओर संकेत करता है। [CTET-2011-II]
 (a) आकलन का सीखना
 (b) सीखने का आकलन
 (c) सीखने के लिए आकलन
 (d) आकलन के लिए सीखना
7. दबाव को कम करने एवं परीक्षाओं में सफलता के लिए आवश्यक है- [RTET-2011-II]
 (a) कम अवधि की परीक्षाओं में अंतरण
 (b) विद्यालयी शिक्षा की विभिन्न चरणों में परीक्षाओं का आयोजन
 (c) वार्षिक एवं अर्द्धवार्षिक परीक्षाएँ
 (d) विभिन्न प्रवेश परीक्षाओं के लिए विभिन्न एग्जेंसियों की स्थापना
8. मूल्यांकन का उद्देश्य है- [RTET-2011-II]
 (a) बालकों को धीमी गति से सीखने वाले एवं प्रतिभाशाली बालकों के रूप में लेबल करना
 (b) जिन बालकों को उपचारात्मक शिक्षा की आवश्यकता है, उनको पहचान करना
 (c) अधिगम की कठिनाइयों व समस्या वाले क्षेत्रों का पता लगाना
 (d) उत्पादक जीवन जीने के लिए शिक्षा किस सीमा तक तैयार कर पाई है, का पुष्टिपोषण प्रदान करना
9. एक प्रमाणीकृत पठन परीक्षण लेने के लिए पाँचवीं कक्षा को प्रस्तुत करने में शिक्षक को अधिकाधिक परामर्श दिया जाता है कि- [UPTET-2011-II]
 (a) बच्चों को बोलना कि परीक्षण बहुत महत्वपूर्ण है तथा वह उसमें सबसे अच्छा प्रदर्शन करेंगे
 (b) पूर्ववर्ती परीक्षा से प्रधान प्रश्नों को चिह्नित करना एवं छात्रों को उन्हें उत्तर देने की अनुमति देना

- (c) निम्न कोटि के पाठकों को प्रशिक्षण देना ताकि कक्षा के शेष बच्चे किसी भी तरीके से अच्छा करें
- (d) परीक्षण में आनेवाले समान प्रकार के प्रश्नों के उत्तर देने के लिए छात्रों को अभ्यास कराना।
10. अधिगम से संबंधित किसी विद्यार्थी की समस्याओं का सबसे अच्छा उपचार है-
[UPTET-2011-II]
- (a) कठोर परिश्रम का सुझाव
(b) ग्रन्थालय में निरीक्षित अध्ययन
(c) निजी शिक्षण का सुझाव
(d) निदानात्मक शिक्षण।
11. विद्यार्थी में अवांछित व्यवहार को किंचित परिवर्तन करने में सबसे प्रभावी पद्धति है-
[UPTET-2011-II]
- (a) विद्यार्थी को दण्ड देना
(b) अधिभावकों के ध्यान में इसे लाना
(c) अवांछित व्यवहार के कारणों को ढूँढ़ना एवं उपचार का प्रबंधन करना
(d) इसकी उपेक्षा करना।
12. मूल्यांकन का उद्देश्य है-
[CGTET-2011-II]
- (a) बच्चे को उत्तीर्ण/अनुत्तीर्ण घोषित करना
(b) बच्चा क्या सीखा है, जानना
(c) बच्चे के सीखने में आई कठिनाइयों को जानना
(d) उपरोक्त सभी
13. परीक्षा के स्थान पर सतत् और व्यापक मूल्यांकन गुणवत्ता मूलक शिक्षा के लिए अधिक उपयुक्त, क्योंकि इसमें-
[CGTET-2011-II]
- (a) संज्ञानात्मक क्षेत्र का मूल्यांकन किया जाता है
(b) सह-संज्ञानात्मक क्षेत्र का मूल्यांकन किया जाता है
(c) मूल्यांकन सतत् एवं व्यापक क्षेत्रों को होता है
(d) उपरोक्त सभी
14. प्रायः शिक्षार्थियों की त्रुटियाँ की ओर संकेत करती हैं। [CTET-Jan.-2012-I]
- (a) यांत्रिक अभ्यास की आवश्यकता
(b) सीखने की अनुपस्थिति
(c) शिक्षार्थियों के सामाजिक-आर्थिक स्तर
(d) वे कैसे सीखते हैं
15. विद्यालय-आधारित आकलन मुख्य रूप से किस सिद्धांत पर आधारित होता है?
[CTET-Jan.-2012-II]
- (a) किसी भी कीमत पर विद्यार्थियों को अच्छे ग्रेड मिलने चाहिए
(b) विद्यालय, बाह्य परीक्षा निकायों की अपेक्षा ज्यादा सक्षम हैं
(c) आकलन बहुत किराफती (मितव्ययी) होना चाहिए
(d) बाह्य परीक्षकों की अपेक्षा शिक्षक अपने शिक्षार्थियों की क्षमताओं को बेहतर जानते हैं
16. एक शिक्षक प्रश्न-पत्र बनाने के बाद, यह जाँच करता है कि क्या प्रश्न परीक्षण के विशिष्ट उद्देश्यों की परीक्षा ले रहे हैं। वह मुख्य रूप से प्रश्न-पत्र को/के के बारे में चिंतित है। [CTET-Jan.-2012-II]
- (a) प्रश्नों के प्रकार
(b) विश्वसनीयता
(c) वैधता
(d) संपूर्ण विषय-वस्तु को शामिल करने
17. बीजों का अंकुरण संकल्पना के शिक्षण की सबसे प्रभावी पद्धति है- [CTET-Jan.-2012-II]
- (a) श्यामपट्ट पर चित्र बनाना और वर्णन करना
(b) बीज की वृद्धि के चित्र दिखाना
(c) विस्तृत व्याख्या करना
(d) विद्यार्थियों द्वारा पौधे के बीज बोना और उसके अंकुरण के चरणों का अवलोकन करना
18. शिक्षकों को अपने विद्यार्थियों की त्रुटियों का अध्ययन करना, चाहिए, क्योंकि वे प्रायः ...की ओर संकेत करती हैं। [CTET-Jan.-2012-II]
- (a) योग्यताओं के अनुसार समूह बनाने हेतु दिशा-निर्देश
(b) भिन्न प्रकार की पाठ्य-चर्या की आवश्यकता
(c) उनके ज्ञान की सीमा
(d) आवश्यक उपचारात्मक युक्तियाँ
19. सतत् और व्यापक मूल्यांकन के लिए तार्किक आधार है-
[CTET-May-2012-II]
- (a) सीखने के एक से अधिक पक्षों का आकलन
(b) आकलन के अवसरों का अधिकतमोपयोग
(c) मानव व्यक्तित्व को समग्र प्रकृति
(d) शिक्षकों पर बोझ बढ़ाना

20. सतत् और व्यापक मूल्यांकन होता है।

[CTET-May-2012-II]

- (a) शिक्षक-केंद्रित (b) विद्यार्थी-केंद्रित
(c) परीक्षा-आधारित (d) निष्पादन-आधारित

21. सीखने के लिए आकलन निम्नलिखित का ध्यान रखता है, सिवाय- [CTET-Nov.-2012-II]

- (a) विद्यार्थियों की त्रुटियों
(b) विद्यार्थियों की अधिगम-शैलियों
(c) विद्यार्थियों की क्षमताएँ
(d) विद्यार्थियों की आवश्यकताएँ

22. निम्नलिखित में से कौन-सी विशेषता समस्या-समाधान उपगम का विशेष चिन्ह है?

[CTET-Nov.-2012-II]

- (a) समस्या केवल एक सिद्धांतप्रकरण पर आधारित होती है
(b) समस्या कथन में संकेत अंतर्निहित रूप से दिया होता है
(c) समस्या मौलिक होती है
(d) सही उत्तर प्राप्त करने का सामान्यतः एक उपगम होता है

23. बच्चों द्वारा की जाने वाली त्रुटियों के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सत्य है?

[CTET-Nov.-2012-II]

- (a) प्रत्येक त्रुटि को सुधारने में बहुत अधिक समय लगेगा तथा एक शिक्षक के लिए धकाने वाला होगा
(b) स्वयं बच्चों द्वारा त्रुटियों को सुधारा जा सकता है, इसलिए शिक्षक को उन्हें तुरंत ही नहीं सुधारना चाहिए
(c) यदि एक शिक्षक कक्षा-कक्ष में सभी बच्चों की त्रुटियों को सुधारने योग्य नहीं है तो यह संकेत करता है कि शिक्षक-शिक्षा की व्यवस्था असफल है
(d) एक शिक्षक को प्रत्येक त्रुटि पर ध्यान नहीं देना चाहिए, अन्यथा पाठ्यक्रम पूरा नहीं होगा

24. सतत् और व्यापक मूल्यांकन की योजना में 'व्यापक' शब्द के अलगाव निम्नलिखित के द्वारा समर्थित किया जाता है-

[CTET-Nov.-2012-II]

- (a) एल.एल. थर्स्टन का प्राथमिक मानसिक योग्यताओं का सिद्धांत
(b) बहुबुद्धि सिद्धांत
(c) सूचना प्रक्रमण सिद्धांत
(d) जे. पी. गिलफोर्ड का बुद्धि-संरचना का सिद्धांत

25. सतत् और व्यापक मूल्यांकन पर बल देता है। [CTET-2013-I]

- (a) सीखने को सुनिश्चित करने के लिए व्यापक स्कूल पर निरंतर परीक्षण
(b) सीखने को किन्हीं प्रकार अवलोकित, रिकार्ड और सुधारा इस पर
(c) शिक्षण के साथ परीक्षाओं का सामंजस्य
(d) बोर्ड परीक्षाओं की अनावश्यकता पर

26. विद्यालय आधारित आकलन-

[CTET-2013-II]

- (a) शिक्षा-बोर्ड की जवाबदेही कम कर देता है
(b) सार्वभौमिक राष्ट्रीय मानकों की प्राप्ति में बाधा उत्पन्न करता है
(c) परिचित वातावरण में अधिक सीखने में सभी शिक्षार्थियों को मदद करता है
(d) शिक्षार्थियों और शिक्षकों को अगंभीर और लापरवाह बनाता है।

27. निम्नलिखित में कौन-सी संज्ञानात्मक क्रिया नई सूचना को विश्लेषण के लिए प्रयोग में लाई जाती है? [CTET-2013-II]

- (a) पहचान करना (b) अंतर करना
(c) वर्गीकृत करना (d) वर्णन करना

28. राजेश अति लोतुप पाठक है। वह अपने कोर्स की पुस्तकें पढ़ने के अतिरिक्त प्रायः पुस्तकालय जाता है और भिन्न प्रकरणों पर पुस्तकें पढ़ता है। इतना ही नहीं, राजेश भोजन-अवकाश में अपने परियोजना कार्य करता है। उसे परीक्षाओं के लिए पढ़ने के लिए अपने शिक्षकों अथवा अधिपात्रकों द्वारा कभी भी कहने की जरूरत नहीं है और वह वास्तव में सीखने का आनंद लेता नजर आता है। उसे के रूप में सर्वाधिक बेहतर रूप से वर्णित किया जा सकता है।

[CTET-2013-II]

- (a) तथ्य-आधारित शिक्षार्थी
(b) शिक्षक-अभिप्रेरित शिक्षार्थी
(c) आकलन-आधारित शिक्षार्थी
(d) आंतरिक रूप से अभिप्रेरित शिक्षार्थी

29. के अतिरिक्त सभी सीखने के रूप में आकलन को बढ़ावा देते हैं-

[CTET-2013-II]

- (a) शिक्षार्थियों को आंतरिक पृष्ठप्रापण लेने के लिए कहना।
(b) अवसर लेने हेतु शिक्षार्थियों के लिए एक सुरक्षित वातावरण का निर्माण करना।
(c) पढ़ाए गए विषय पर मनन करने के लिए शिक्षार्थियों को कहना।
(d) जितनी संभावना हो, शिक्षार्थियों का लगातार परीक्षण लेना।

30. जब एक बावचीं खाना पकाते समय खाने को चखता है तो वह के समान है।
[CTET-2013-II]
- सीखने का आकलन
 - सीखने के लिए आकलन
 - सीखने के रूप में आकलन
 - आकलन और सीखना
31. विद्यालय-आधारित आकलन प्रारम्भ किया गया था ताकि- [CTET-Feb.-2014-I]
- राष्ट्र में विद्यालयी शिक्षा संगठनों की शक्ति का विकेंद्रीकरण किया जा सके
 - सभी विद्यार्थियों को सम्पूर्ण विकास को निश्चित किया जा सके
 - विद्यार्थियों की उन्नति को बेहतर व्याख्या के लिए उनकी सभी गतिविधियों के नियमित अभिलेखन हेतु अध्यापकों को अभिप्रेरित किया जा सके
 - विद्यालय अपने क्षेत्रों में विद्यमान अन्य विभिन्न विद्यालयों की तुलना में प्रतियोगिता द्वारा अपनी विशिष्टता का प्रदर्शन करने हेतु अभिप्रेरित हो सकें
32. निम्नलिखित में से कौन-सा एक अन्य विकल्पों से सम्बद्ध नहीं है? [CTET-Feb.-2014-I]
- प्रश्नोत्तर सत्रों को संगठित करना
 - किसी विषय पर विद्यार्थियों की प्रतिक्रिया को लेना
 - प्रश्नोत्तरी परिचालित करना
 - स्व-आकलन के कौशल को प्रतिमानित करना
33. निम्नलिखित में से समस्या-समाधान को क्या बाधित नहीं करता? [CTET-Feb.-2014-I]
- अन्तर्दृष्टि
 - मानसिक प्रारूपता
 - मोर्चाबन्दी
 - निर्धारण
34. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सत्य है?
[CTET-Feb.-2014-II]
- रचनात्मक आकलन कभी-कभी संकलनात्मक हो सकता है एवं इसी प्रकार इसके विपरीत भी
 - संकलनात्मक आकलन से अभिप्राय है कि आकलन अधिगम का एक निरन्तर व अभिन्न अंग है
 - रचनात्मक आकलन का मुख्य उद्देश्य है विद्यार्थियों को उपलब्धि का श्रेणीकरण
 - रचनात्मक आकलन समय-समय पर शिक्षार्थियों के विकास का सार प्रस्तुत करता है
35. एक अध्यापक/अध्यापिका विद्यार्थियों को किसी विषय की अपनी अवबोधनात्मकता को प्रतिबिम्बित करते हुए संकलनात्मक मानचित्र का निर्माण करने को कहता/कहती है। वह-
[CTET-Feb.-2014-II]
- विद्यार्थियों की स्मृतियों को मंथर गति से जागृत कर रहा/रही है
 - रचनात्मक आकलन कर रहा/रही है
 - छात्रों की मुख्य बिन्दुओं का सार लिखने की क्षमता का परीक्षण कर रहा/रही है
 - छात्रों की उपलब्धि के मूल्यांकन हेतु शीर्षकों के विकास का प्रयास कर रहा/रही है
36. निम्नलिखित में से कौन-सा ब्लूम के पुनर्संरचित वर्गीकरण में 'मूल्यांकन' के क्षेत्र को प्रदर्शित करता है? [CTET-Feb.-2014-II]
- आंकड़ों का प्रयोग करते हुए ग्राफ अध्यापक चार्ट का निर्माण करना
 - एक समाधान की तार्किक सुसंगतता का परीक्षण करना
 - प्रदत्त आंकड़ों की प्रासंगिकता का मूल्यांकन करना
 - वस्तुओं के श्रेणीकरण हेतु एक नूतन पद्धति का निर्माण करना
37. आकलन प्रक्रिया के दौरान देविका को उत्तेजना ऊर्जापूर्ण होती है, जबकि राजेश को उत्तेजना अनुत्साही। उन दोनों के भावात्मक अनुभवों का अन्तर किससे सम्बद्ध है?
[CTET-Feb.-2014-II]
- समयान्तराल
 - भावनाओं की पराकाष्ठा
 - अनुकूलन का स्तर
 - विचारों का चरित्र
38. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सत्य व व्यापक मूल्यांकन के लिए सही नहीं है?
[HTET-2014-I]
- यह एक विद्यालय आधारित मूल्यांकन है
 - यह विद्यार्थियों में तनाव को कम करता है
 - इसमें नम्बरों के स्थान पर ग्रेड का प्रयोग होता है
 - इससे शिक्षकों पर बोझ बढ़ जाता है
39. पूरे आवृत्ति वितरण के प्रतिनिधित्व करने वाले मान को — कहा जाता है।
[UPTET-2014-II]
- प्रामाणिक विचलन का मान
 - केन्द्रवर्ती प्रमाप का मान
 - सह-सम्बन्धीय प्रतिनिधि का मान
 - समूहज प्रतिशत प्रतिनिधि का मान

40. बाल मनोविज्ञान के अनुसार शिक्षा के क्षेत्र में मुख्य स्थान है- [UPTE-2014-II]
- (a) बालक का (b) अध्यापक का
(c) अभिभावक का (d) प्रशासक का
41. सामान्य से विशेष की तर्क की प्रक्रिया निम्नलिखित में से कौन-सी पद्धति में है? [UPTE-2014-II]
- (a) आगमनात्मक
(b) निगमनात्मक
(c) (a) और (b) दोनों
(d) इनमें से कोई नहीं
42. निम्नांकित 7 छात्रों के अंक इस प्रकार हैं-
40, 38, 36, 50, 51, 54, 23 [UPTE-2014-II]
उपरोक्त की माध्यिका होगी-
- (a) 36 (b) 50
(c) 40 (d) 23
43. वे शिक्षक जो विद्यालय आधारित आकलन के अंतर्गत कार्य करते हैं- [CTET-Sept.-2014-I]
- (a) उन पर अधिक कार्य का बोझ रहता है, क्योंकि उन्हें सोमवार की परीक्षा सहित अक्सर परीक्षा लेनी पड़ती है
(b) उन्हें प्रत्येक शिक्षार्थी को प्रत्येक विषय में परियोजना कार्य देना पड़ता है
(c) शिक्षार्थियों के मूल्यांकन और अभिवृत्तियों का आकलन करने के लिए योजना उनका सूक्ष्म अवलोकन करते हैं
(d) व्यवस्था के लिए स्वामित्व की भावना रखते हैं
44. "ग्रेड अंकों से कैसे अलग है?" [CTET-Sept.-2014-I]
- यह प्रश्न निम्न में से किस प्रकार के प्रश्नों से सम्बन्ध रखता है?
- (a) अपसारी (b) विश्लेषणात्मक
(c) मुक्त-अंत (d) समस्या-समाधान
45. सीखने के लिए आकलन- [CTET-Sept.-2014-II]
- (a) अभिप्रेरणा को बढ़ावा देता है
(b) अलग करने और रोक देने के प्रयोजन के लिए किया जाता है
(c) ग्रेड्स को पूरी तरह से महत्व देने पर बल देता है
(d) विशिष्ट होता है और अपने-आप में की गई आकलन गतिविधि है
46. विद्यालय आधारित आकलन- [CTET-Sept.-2014-II]
- (a) परिणामों की अपेक्षा तरीका तकनीकों पर केंद्रित है

- (b) क्या आकलित किया जाएगा-इस पर शिक्षार्थियों को कम नियंत्रण प्रदान करता है
(c) रचनात्मक प्रतिपुष्टि उपलब्ध कराते हुए सीखने में संवर्धन करता है
(d) परीक्षा के लिए शिक्षण को बढ़ावा देता है, क्योंकि उसमें निरंतर परीक्षण होता है
47. कक्षा में शिक्षार्थियों से कहा गया कि वे अपने समाज के लिए क्या कर सकते हैं- इसे दर्शाने के लिए एक नोटबुक में अपने कार्य की विविध शिल्पकृतियों को संयोजित करें। यह किस प्रकार की गतिविधि है? [CTET-Sept.-2014-II]
- (a) निबंधात्मक आकलन
(b) घटनावृत्त अभिलेख
(c) समस्या-समाधान आकलन
(d) पोर्टफोलियो आकलन
48. निम्नलिखित में से कौन-सा एक उपयुक्त रचनात्मक आकलन कार्य नहीं है ? [CTET-Feb.-2015-I]
- (a) खुले अंत वाले प्रश्न
(b) परियोजना
(c) अवलोकन
(d) विद्यार्थियों का योग्यता क्रम निर्धारित करना
49. सतत एवं व्यापक मूल्यांकन किसलिए आवश्यक है ? [CTET-Feb.-2015-I]
- (a) शिक्षण के साथ परीक्षण का तालमेल बैठाने के लिए
(b) शिक्षा बोर्ड की जवाबदेही कम करने के लिए
(c) जल्दी-जल्दी की जाने वाली गलतियों को तुरान में कम अन्तराल पर की जाने वाली गलतियों को सुधारना
(d) यह समझने के लिए कि अधिगम का किस प्रकार अवलोकन किया जाता है, इसे किया जाता है व सुधार किया जा सकता है
50. अधिगम में आकलन किसलिए आवश्यक होता है? [CTET-Feb.-2015-I]
- (a) ग्रेड एवं अंकों के लिए
(b) जाँच-परीक्षण के लिए
(c) प्रेरणा के लिए
(d) पृथक्करण और श्रेणीकरण के उद्देश्य को प्रोत्साहन देने के लिए

51. निम्नलिखित में से कौन-सी आकलन पद्धति विद्यार्थियों की सर्वोत्तम क्षमता का पोंपित करेगी ?

[CTET-Feb.-2015-II]

- जब परीक्षा के अंको और विद्यार्थी की योग्यता के बीच सकारात्मक सह-सम्बन्ध पर बल दिया जाता है
- जब विद्यार्थियों को बहु-विकल्पीय प्रश्नों के माध्यम से किए गए परीक्षण के रूप में तथ्यों को दोहराने की आवश्यकता होती है
- जब संकल्पनात्मक परिवर्तन तथा विद्यार्थियों के वैकल्पिक समाधानों को आकलन की विभिन्न विधियों के द्वारा आकलित किया जाता है
- जब कक्षा में विद्यार्थी के द्वारा प्राप्त किए गए अंग और स्थान सफलता का एकमात्र निर्धारक होते हैं

52. कक्षा-परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन करने में एक बच्चे की असफलता हमें इस विश्वास की तरफ ले जाती है कि-

[CTET-Feb.-2015-II]

- बच्चे कुछ निश्चित सक्षमताओं और कमियों के साथ पैदा होते हैं।
- आकलन वस्तुनिष्ठ है तथा असफलताओं को स्पष्ट रूप से पहचानने के लिए इसका प्रयोग किया जा सकता है।
- पाठ्यक्रम, शिक्षण-पद्धति तथा आकलन प्रक्रियाओं पर विचार करने की आवश्यकता है।
- कुछ बच्चों को अनुत्तीर्ण होना ही है, चाहे व्यवस्था उन पर कितना भी अधिक प्रयास करे।

53. एक बहु-सांस्कृतिक कक्षा-कक्ष में एक अध्यापिका सुनिश्चित करेगी कि आकलन में निम्नलिखित में से सम्मिलित हो-

[CTET-Feb.-2015-II]

- अपने विद्यार्थियों की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
- अपने आकलन उपकरण की विश्वसनीयता तथा वैधता
- अधिगम के न्यूनतम स्तरों के लिए अनुपातन करते हुए विद्यालय प्रशासन की अपेक्षाओं को पूरा करना
- आकलन उपकरण के मानकीकरण

54. अनुसंधान से पता चला है कि विद्यालयों में अनेक स्तरों पर विभेदीकरण पाया जाता है। उच्च प्राथमिक स्तर पर इनमें से कौन-सा विभेदीकरण का एक उदाहरण नहीं है?



[CTET-Feb.-2015-II]

- अध्यापकों की निम्न सामाजिक-आर्थिक परिवेश से आए बच्चों से बहुत कम अपेक्षाएँ होती हैं।
- बहुत से अध्यापक पढ़ाने के लिए केवल व्याख्यान विधि का प्रयोग करते हैं।
- मध्यह्न भोजन के दौरान दलित बच्चों को अलग बैठाया जाता है।
- लड़कियों को गणित तथा विज्ञान विषयों को लेने के लिए प्रोत्साहित नहीं किया जाता है।

55. एक उच्च प्राथमिक विद्यालय के सरचनात्मक कक्षा-कक्ष में अपने स्वयं के आकलन में विद्यार्थियों की भूमिका में निम्नलिखित में से क्या देखा जाएगा ?

[CTET-Feb.-2015-II]

- शिक्षण-अधिगम में आकलन की भूमिका को नकारना
- एक विस्तृत दिशा-निर्देश बनाना कि किस प्रकार से विद्यार्थियों की उपलब्धि तथा कक्षा में प्रतिष्ठा को अंको के साथ सह-सम्बद्ध किया जाएगा
- विद्यार्थी अपने आकलन के एकमात्र निर्धारक होंगे
- विद्यार्थी अध्यापक के साथ आकलन के लिए योजना बनाएँगे।

56. निम्नलिखित में से कौन-सा आकलन करने का सर्वाधिक उपयुक्त तरीका है?

[CTET-Sept.-2015-II]

- आकलन शिक्षण-अधिगम में अंतर्निहित प्रक्रिया है।
- आकलन एक शैक्षणिक सत्र में दो बार करना चाहिए-शुरु में और अंत में।
- आकलन शिक्षक के द्वारा नहीं बल्कि किसी बाह्य एजेंसी के द्वारा करना चाहिए।
- आकलन सत्र की समाप्ति पर करना चाहिए।

57. बहुविकल्पी प्रश्न बच्चों की की योग्यता का आकलन करते हैं।

[CTET-Sept.-2015-II]

- (a) सही उत्तर का प्रत्यास्मरण करने
- (b) सही उत्तर का निर्माण करने
- (c) सही उत्तर की व्याख्या करने
- (d) सही उत्तर की पहचान करने

58. आकलन [CTET-Feb.-2016-I]

- (a) सीखने में सुधार का एक तरीका है
- (b) बच्चों को लेबल करने (नाम देने) और वर्गीकृत करने की अच्छी रणनीति है
- (c) बच्चों में प्रतियोगितात्मक भावना को सक्रिय रूप से बढ़ावा देना है
- (d) सीखने को सुनिश्चित करने के लिए तनाव और दबाव को उत्पन्न करना है।

59. शिक्षार्थियों से यह अपेक्षा करना कि वे ज्ञान को उसी रूप में पुनः प्रस्तुत कर देंगे जिस रूप में उन्होंने उसे ग्रहण किया है

[CTET-Feb.-2016-II]

- (a) अच्छा है, क्योंकि जो भी हमारे मन में है हम उसे रिकॉर्ड करने लगते हैं
- (b) अच्छा है, क्योंकि यह शिक्षक के लिए आकलन में सरल है
- (c) एक प्रभावी आकलन युक्ति है
- (d) समस्यात्मक है, क्योंकि व्यक्ति अनुभवों की व्याख्या करते हैं और ज्ञान को ज्यों-का-त्यों पुनः उत्पादित नहीं करते

60. निम्नलिखित में से कौन-सा एक माध्यमिक विद्यालय की कक्षा-कक्ष में शिक्षक की मूल्यांकन का सर्वोत्तम/उचित वर्णन करता है?

[CTET-Feb.-2016-II]

- (a) प्रथम स्थान के लिए शिक्षार्थियों को आपस में प्रतिस्पर्धा के लिए बढ़ावा देना
- (b) बहु-परिप्रेक्ष्य को निरुत्साहित करना तथा एक-आयामी परिप्रेक्ष्य पर केंद्रीकृत होना
- (c) व्याख्यान देने के लिए पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन का प्रयोग करना
- (d) चर्चाओं के अवसर उपलब्ध कराना

61. आकलन उद्देश्यपूर्ण होता है यदि:

[CTET-Sept.-2016-I]

- (a) इससे विद्यार्थियों में भय और तनाव का संसार हो
- (b) इससे विद्यार्थियों और शिक्षकों को प्रतिपुष्टि (फीडबैक) प्राप्त हो

- (c) यह केवल एक बार वर्ष के अंत में हो
- (d) विद्यार्थियों की उपलब्धियों में अंतर करने के लिए तुलनात्मक मूल्यांकन किए जाएँ

62. प्राथमिक विद्यालय के बच्चे उस वातावरण में सबसे प्रभावी ढंग से सीखेंगे:

[CTET-Sept.-2016-I]

- (a) जहाँ उनकी संवेगात्मक आवश्यकताओं की पूर्ति होती है और वे अनुभव करते हैं कि वे महत्वपूर्ण हैं
- (b) जहाँ शिक्षक एकाधिकारवादी है और स्पष्ट आदेश देता है कि क्या किया जाना चाहिए
- (c) जहाँ मूलरूप से पढ़ने, लिखने और गणित की संज्ञात्मक कुशलताओं पर ही ध्यान का केंद्र होता है और बल दिया जाता है
- (d) जहाँ शिक्षक सारे अधिगमों में आगे होता है और विद्यार्थियों से निष्क्रिय रहने की अपेक्षा करता है

63. विद्यार्थियों को स्वतंत्र रूप से चिंतन करने तथा प्रभावी शिक्षार्थी बनने में सक्षम बनाने हेतु शिक्षक के लिए यह महत्वपूर्ण है:

[CTET-Sept.-2016-II]

- (a) एक संघटित तरीके से जानकारी को प्रस्तुत करना ताकि पुनः स्मरण करने में सरल हो
- (b) विद्यार्थियों के द्वारा प्राप्त की गई प्रत्येक सफलता के लिए उन्हें पुरस्कार देना
- (c) विद्यार्थियों को सिखाना कि किस प्रकार से अपने अधिगम का अनुवीक्षण करें
- (d) छोटी-छोटी इकाइयाँ या खंडों में जानकारी प्रदान करना

64. विद्यार्थियों के प्रभावशाली अधिगम के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा, शिक्षक के प्रारंभिक कार्यों में से एक नहीं है?

[CTET-Sept.-2016-II]

- (a) बच्चों को यह सिखाना कि वे अपने अधिगम प्रयासों को कैसे देख और सुधार सकते हैं
- (b) विद्यार्थियों को उपदेशात्मक विधि से सूचना प्रदान करना
- (c) विद्यार्थियों की उन धारणाओं को जानना जिन्हें लेकर वे कक्षा में आते हैं
- (d) विद्यार्थियों से उच्चतर स्तर के प्रश्नों के उत्तर की अपेक्षा करना

65. निम्नलिखित में से कौन-सा अधिगम के आकलन को उजागर करता है?

[CTET-Sept.-2016-II]

- (a) शिक्षक किसी विद्यार्थी के निष्पादन का आकलन दूसरों के निष्पादन की तुलना में करता है।
 (b) शिक्षक विद्यार्थियों की चिंतन प्रक्रियाओं पर ध्यान देने के अलावा उनकी अवधारणात्मक समझ का भी आकलन करता है।
 (c) शिक्षक 'मानक' उत्तरों से विद्यार्थियों के उत्तरों की तुलना करके उनका आकलन करता है।
 (d) शिक्षक पाठ्य-पुस्तकों में दी गई जानकारी के आधार पर विद्यार्थियों का आकलन करता है।

66. आकलन के बारे में निम्नलिखित कथनों में से कौन-से कथन सही हैं?

[CTET-Sept.-2016-II]

- (a) आकलन से विद्यार्थियों को यह सहायता मिलनी चाहिए कि वे अपनी शक्तियों और रिक्तियों को देख सकें और शिक्षक तदनुसार उन्हें ठीक कर सकें।

- (b) आकलन तभी सार्थक होता है जब विद्यार्थियों का तुलनात्मक मूल्यांकन भी हो।

- (c) आकलन केवल स्मरणशक्ति का ही नहीं, बोधन और अनुप्रयोग का भी होना चाहिए।

- (d) आकलन तब तक उद्देश्यपूर्ण नहीं हो सकता जब तक उससे भय और चिंता का संचार न हो।

- (a) A और C (b) B और C

- (c) A और B (d) B और D

67. 12 वर्ष से 16 वर्ष के बच्चों के लिए हिन्दी में डॉ. एस. जलौटा ने कौन-सा परीक्षण प्रतिपादित किया है?

[UPTE-2017]

- (a) अशाब्दिक बुद्धि परीक्षण

- (b) साधारण मानसिक योग्यता परीक्षण

- (c) आर्मी अल्फा परीक्षण


- (d) प्रभाव का नियम

उत्तरमाला

1	(a)	9	(c)	17	(d)	25	(b)	33	(a)	41	(b)	49	(d)	57	(d)	65	(b)
2	(b)	10	(d)	18	(d)	26	(c)	34	(a)	42	(c)	50	(c)	58	(a)	66	(a)
3	(d)	11	(c)	19	(c)	27	(b)	35	(b)	43	(d)	51	(a)	59	(d)	67	(b)
4	(d)	12	(d)	20	(b)	28	(c)	36	(b)	44	(b)	52	(d)	60	(d)		
5	(c)	13	(d)	21	(d)	29	(d)	37	(c)	45	(a)	53	(d)	61	(b)		
6	(b)	14	(a)	22	(b)	30	(b)	38	(d)	46	(c)	54	(b)	62	(a)		
7	(a)	15	(d)	23	(c)	31	(b)	39	(b)	47	(d)	55	(a)	63	(c)		
8	(d)	16	(d)	24	(d)	32	(d)	40	(a)	48	(d)	56	(a)	64	(b)		

व्याख्या सहित उत्तर

25. (b) सतृ और व्यापक मूल्यांकन का अर्थ शिक्षार्थियों के विद्यालय आधारित मूल्यांकन की प्रणाली से है। इसका आशय यह है कि मूल्यांकन की नियमितता, अधिगम अन्तर्गतों का निदान अध्यापकों एवं छात्रों के साथ का फीडबैक या प्रतिपुष्टि। साथ ही, शिक्षार्थियों के शैक्षिक एवं सह-शैक्षिक पक्षों को शामिल करते हुए उनके बुद्धि एवं विकास को परखने की योजना बनाना।
26. (c) विद्यालय आधारित आकलन परिचित वातावरण में अधिक सीखने में सभी शिक्षार्थियों की मदद करता है।
27. (b) ब्लूम के संज्ञानात्मक विकास-क्षेत्र के अनुसार, सूचना के विश्लेषण के लिए प्रयोग में लायी जाने वाली क्रिया 'अंतर करना' है।

28. (d) राजेश को एक आंतरिक रूप से अभिप्रेरित शिक्षार्थी के रूप में जाना जा सकता है, क्योंकि आंतरिक रूप से अभिप्रेरित बालक किसी कार्य को स्वयं की इच्छा से करता है।
30. (b) जब एक बावर्ची खाना पकाते समय खाने को चखता है, अर्थात् वह अपने स्वयं की सफलता एवं प्रगति का विश्लेषण करता है। अतः वह सीखने के लिए आकलन का रहा है।
57. (d) बहुविकल्पीय प्रश्न आकलन का एक प्रकार है जिसमें किसी दी गई  में से छात्र को सर्वाधिक संभावित उत्तर चयन करना होता है।
58. (a) आकलन सीखने में सुधार का तरीका है। विकास की मापने के लिए आकलन आवश्यक है। आकलन द्वारा बच्चे की कमियों के क्षेत्र को समझने में सहायता होती है और सीखने में सहायता मिलती है।
59. (d) शिक्षार्थियों से यह अपेक्षा करना कि वे ज्ञान को उसी रूप में पुनः प्रस्तुत कर देंगे जिस रूप में उन्होंने उसे ग्रहण किया है यह समस्यात्मक है, क्योंकि व्यक्ति अनुभवों की व्याख्या करते हैं और ज्ञान को ज्यों-का त्यों पुनः उत्पादित नहीं करते। प्रत्येक शिक्षार्थी को ज्ञान पर अपने व्यक्तिगत अनुभवों का प्रभाव पड़ता है। इसलिए ज्ञान को उसी रूप में प्रस्तुत नहीं कर सकता।
61. (b) आकलन से अभिप्राय आँकड़ों के विश्लेषण व उनकी व्याख्या से है। आकलन का प्रमुख उद्देश्य शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में सुधार लाना व बच्चों के अभिभावकों को अधिगम प्रक्रिया में बालक की भूमिका के विषय में बताना तथा उसकी कमियों को बताना है।
62. (a) संवेगात्मक विकास से अभिप्राय इस बात से है कि बालकों में विभिन्न प्रकार के संवेग का विकास कैसे होता है? सन्तुलित संवेगात्मक विकास शैक्षिक उपलब्धियों को बढ़ावा देने में समर्थ होते हैं।

अभ्यास - 2

- मापन का शिक्षा में महत्व है-
 - शिक्षण विधि बनाने में
 - मूल्यांकन करने में सहायक
 - योग्यता की मात्रा जानने में
 - उपयुक्त सभी
- मूल्यांकन का क्षेत्र होता है-
 - व्यापक
 - सीमित
 - संकुचित
 - इनमें से कोई नहीं
- एक उत्तम परीक्षण की विशेषता नहीं है-
 - विश्वसनीयता
 - वैधता
 - सीमितता
 - व्यावहारिकता
- शिक्षा में यह मूल्यांकन का क्षेत्र नहीं है-
 - बुद्धि परीक्षा
 - अभिक्षमता परीक्षा
 - विभेदकता
 - रुचि परीक्षा
- मापन व मूल्यांकन क्रमशः होते हैं-
 - संख्या व गुण बोधक
 - गुण व संख्या बोधक
 - योग्यता व क्षमता बोधक
 - निम्न में से कोई नहीं
- निम्न में से एक विधि मानसिक चिकित्सा हेतु प्रयुक्त की जाती है-
 - स्वन विश्लेषण विधि
 - रोशो विधि
 - वस्तुनिष्ठ विधि
 - व्यक्तित्व विधि
- कौन-सी विधि व्यक्तित्व के उन पहलुओं को उजागर कर देती है जिनसे वह स्वयं अनभिज्ञ होता है?
 - साक्षात्कार विधि
 - जीवन इतिहास विधि
 - प्रेक्षण विधि
 - आत्मकथा लेखन विधि
- शैक्षिक निर्देशन का उद्देश्य है प्रत्येक व्यक्ति को-
 - योग्यताओं, रुचियों व अवसरों के अनुकूल चुनाव में सहायता देना।
 - समायोजन की क्षमता प्रदान करना
 - ध्विष्य को प्रगतिशील बनाने में परामर्श देना
 - उपरोक्त सभी
- प्रशिक्षण व रोजगार सेवा संगठन समिति की नियुक्ति किस सन् में हुई?
 - 1925
 - 1890
 - 1927
 - 1945
- कक्षा में सम्पन्न निर्देशन है-
 - व्यक्तिगत निर्देशन
 - परामर्श सेवा
 - सामूहिक निर्देशन
 - व्यवसायिक परामर्श

11. निर्देशन सेवाओं को सक्रिय व रोचक बनाने हेतु स्कूल में स्थापना की जानी चाहिए-
- शैक्षिक व्यवसायिक कक्ष
 - सामूहिक निर्देशन कक्ष
 - करियर कौन्सलर
 - उपर्युक्त में से कोई नहीं
12. वैदिक युग में शिक्षा दी जाती थी-
- विद्यापीठ में
 - मन्दिर में
 - गुरुकुल में
 - मठ में
13. मूल्यांकन को प्रकृति है-
- गुणात्मक
 - परिमाणात्मक
 - दोनों ही
 - कोई नहीं
14. मापन का कार्य है-
- निदान
 - पूर्वकथन
 - सम्बल्य
 - उपरोक्त सभी
15. उद्देश्य-केन्द्रित परीक्षा होती है-
- वस्तुनिष्ठ
 - निर्बन्धात्मक
 - दोनों
 - कोई नहीं
16. अधिगम का शिक्षा में योगदान है-
- व्यवहार परिवर्तन में
 - नवीन अनुभव प्राप्त करने में
 - समायोजन में
 - उपरोक्त सभी
17. जॉन डीवी का कथन है-
- विद्यालय एक विशेष वातावरण है
 - विद्यालय एक तकनीकी वातावरण है
 - विद्यालय एक साधारण वातावरण है
 - विद्यालय एक अनौपचारिक वातावरण है
18. 'लर्निंग इवी' क्या है?
- प्रतिवेदन
 - पत्रिका
 - पुस्तक
 - नीति
19. छात्रों द्वारा शिक्षकों का मूल्यांकन आरम्भ हुआ-
- भारत में
 - संयुक्त राज्य अमेरिका
 - आस्ट्रेलिया
 - इंग्लैण्ड
20. छात्रों द्वारा शिक्षकों का मूल्यांकन किस सन् में शुरू हुआ।
- 1920
 - 1970
 - 1948
 - 1957
21. छात्रों द्वारा शिक्षकों के मूल्यांकन की सिफारिश की गई-
- महरोत्रा समिति
 - राष्ट्रीय शिक्षा नीति
 - रेड्डी समिति
 - अध्यापक शिक्षा परिषद्
22. शिक्षक व्यवहार सुधार का प्रत्यय दिया
- फ्लैण्डर्स ने
 - डी.जी. रामन ने
 - एन. एल. गेज ने
 - (d) ओवर ने
23. शिक्षण व्यवहार को प्रमुख प्रविधि है-
- अनुकरणीय शिक्षण
 - सूक्ष्म शिक्षण
 - दोनों ही
 - कोई नहीं
24. शिक्षण कौशलों के विकास व सुधार की प्रविधि है-
- अनुकरणीय प्रशिक्षण
 - सूक्ष्म शिक्षण
 - प्रशिक्षण समूह
 - अन्तः क्रिया विश्लेषण
25. शिक्षण कौशलों का अर्थ है-
- अनुदेशनात्मक क्रियाएँ
 - शिक्षण क्रियाएँ
 - शिक्षण व्यवहार
 - उपरोक्त सभी
26. पुनर्बलन कौशल को हम क्यों प्रयुक्त करते हैं?
- छात्रों को प्रोत्साहन हेतु
 - शिक्षण का अग्रसरण हेतु
 - अधिगम रूचिकर हेतु
 - उपरोक्त सभी
27. शिक्षण कौशल को अध्यापक प्रयुक्त करता है-
- कक्षा के अंदर
 - कक्षा के बाहर
 - दोनों में ही
 - कोई नहीं
28. शिक्षण कौशल की कुल संख्या है-
- 24
 - 23
 - 22
 - 26

उत्तरमाला

1	(d)	5	(a)	9	(d)	13	(c)	17	(a)	21	(a)	25	(d)
2	(a)	6	(a)	10	(c)	14	(d)	18	(a)	22	(b)	26	(d)
3	(c)	7	(c)	11	(c)	15	(c)	19	(b)	23	(c)	27	(c)
4	(c)	8	(d)	12	(c)	16	(a)	20	(a)	24	(b)	28	(b)

वर्ष (Year)	घटनाक्रम (Event)
ईसा पूर्व 20वीं शताब्दी	वेदों की रचना।
ईसा पूर्व 20वीं से ईसा पूर्व छठी शताब्दी	वेद - आधारित शिक्षा व्यवस्था को प्रधानता।
ईसा पूर्व 5वीं शताब्दी	बौद्ध धर्म का उद्भव।
ईसा पूर्व छठी वीं शताब्दी	बौद्ध मठों व विहारों में बौद्ध धर्म केन्द्रित शिक्षा पर जोर।
ईसा पूर्व 5वीं से 8 वीं शताब्दी	नालन्दा, तक्षशिला, वल्लभी, विक्रमशिला जैसे बौद्ध शिक्षा विहारों का प्रचलन।
8वीं शताब्दी	भारत पर मुस्लिमों के आक्रमण प्रारम्भ।
12वीं शताब्दी	भारत में मुस्लिम शासन प्रारम्भ तथा इस्लामी संस्कृति की शिक्षा प्रारम्भ।
14वीं शताब्दी	उर्दू भाषा का उद्भव।
15वीं शताब्दी	फिरोजशाही मदरसा, मदरसा-ए-बेगम, महमूद गवान विद्यालय जैसी मुस्लिम शिक्षण संस्थाओं का प्रचलन।
17वीं शताब्दी	ईसाई मिशनरियों द्वारा धर्मार्थ विद्यालयों (Charity Schools) की स्थापना।
18वीं शताब्दी	ईस्ट इंडिया कंपनी के द्वारा अनेक विद्यालयों की स्थापना।
1781	कलकत्ता मदरसा की स्थापना।
1791	बनारस संस्कृत कॉलेज की स्थापना।
1792	चार्ल्स ग्रान्ट (Charles Grant) द्वारा शिक्षा की पंचसूची योजना की प्रस्तुति।
1800	फोर्ट विलियम कॉलेज, कलकत्ता की स्थापना।
1813	चार्टर अधिनियम (Charter Act of 1813) में शिक्षा के लिए एक लाख रुपये प्रतिवर्ष व्यय करने का प्रावधान।
1833	चार्टर अधिनियम (Charter Act of 1833) में शिक्षा के लिए दस लाख रुपये प्रतिवर्ष व्यय करने का प्रावधान।
1835	मैकाले के घोषणा-पत्र (Macaulay's Minutes) के द्वारा भारत में यूरोपीय साहित्य व विज्ञान का अंग्रेजी माध्यम से प्रचार करने का निर्णय तथा अद्योगामी नियन्दन सिद्धान्त का प्रतिपादन।
1835	लॉर्ड विलियम बैंटक के द्वारा निर्गत आदेश-पत्र (Resolution of March, 1935) के द्वारा मैकाले के प्रस्ताव की स्वीकृति।
1839	लॉर्ड आकलैंड के द्वारा प्राच्य शिक्षा (Oriental Education) को भी पाश्चात्य शिक्षा के समान प्रोत्साहन।

- 1854 चार्ल्स वुड के नेतृत्व में 'वुड घोषणापत्र' (Wood's Despatch) के द्वारा जनसाधारण की शिक्षा, स्त्री शिक्षा तथा अध्यापक शिक्षा पर जोर एवं पारचात्य प्रकार के विश्वविद्यालय खोलने की संस्तुति।
- 1857 कलकत्ता, बम्बई तथा मद्रास में पारचात्य प्रकार के विश्वविद्यालयों की स्थापना।
- 1859 स्टैनली के आज्ञा-पत्र (Stanley's Despatch) के द्वारा सरकार द्वारा प्राथमिक शिक्षा का उत्तरदायित्व उठाने की नीति।
- 1882 हन्टर आयोग (Hunter Commission) द्वारा शिक्षा सम्बन्धी व्यापक संस्तुतियाँ।
- 1887 इलाहाबाद विश्वविद्यालय की स्थापना।
- 1902 भारतीय विश्वविद्यालय आयोग (Releigh Commission) द्वारा विश्वविद्यालयों का पुनर्गठन करने व इनमें शिक्षण कार्य करने की संस्तुति।
- 1904 लॉर्ड कर्जन के द्वारा शिक्षा नीति सम्बन्धी सरकारी प्रस्ताव (Government Resolution on Education Policy) की घोषणा।
- 1904 भारतीय विश्वविद्यालय अधिनियम द्वारा विश्वविद्यालयों के प्रशासन, अधिकार व कार्य-क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन।
- 1905 कांग्रेस द्वारा कलकत्ता अधिवेशन में देश में राष्ट्रीय शिक्षा (National Education) लागू करने की माँग।
- 1911 गोपाल कृष्ण गोखले द्वारा केन्द्रीय धारा सभा में प्रारम्भिक शिक्षा को अनिवार्य (Compulsory) बनाने का प्रस्ताव।
- 1913 शिक्षा नीति सम्बन्धी सरकारी प्रस्ताव में निरक्षरता दूर करने तथा प्राथमिक शिक्षा पर अधिक जतन को खर्च करने पर जोर।
- 1917 कलकत्ता विश्वविद्यालय आयोग (Sadler Commission) द्वारा नये विश्वविद्यालय खोलने, कलकत्ता विश्वविद्यालय को शिक्षण विश्वविद्यालय बनाने तथा इन्टर कक्षाओं को विश्वविद्यालय से अलग करने की सिफारिश।
- 1929 हर्टोग समिति (Hertong Committee) द्वारा प्राथमिक शिक्षा में अपव्यय व अवरोधन की समस्या की ओर ध्यानकर्षण एवं सभी स्तरों पर शिक्षा की गुणात्मक उन्नति करने पर जोर।
- 1925 अन्तर्विद्यालय परिषद् (Inter University Board-IUB) का गठन।
- 1937 एबट-वुड प्रतिवेदन (Abbot-Wood Report) में उच्चतर माध्यमिक स्तर पर तकनीकी व व्यावसायिक शिक्षा की व्यवस्था करने तथा सामान्य शिक्षा का उन्नयन करने की संस्तुति।
- 1937 वर्षों में महात्मा गांधी की अध्यक्षता में आयोजित अखिल भारतीय राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन में बेसिक शिक्षा (Basic Education) योजना की प्रस्तुति।
- 1938 बेसिक शिक्षा योजना पर खेर समिति (Kher Committee) का प्रतिवेदन।
- 1940 द्वैध शासन (Dyarchy) के दौरान शिक्षा की व्यवस्था करने सम्बन्धी अधिकार निर्वाचित मन्त्री के पास।
- 1944 सार्जेन्ट योजना (Sargent Plan) के द्वारा द्वितीय विश्वयुद्ध के उपरान्त भारत में शैक्षिक विकास की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत।
- 1949 विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग (Radha Krishna Commission, 1948-49) के प्रतिवेदन में उच्च शिक्षा में सुधार हेतु संस्तुतियाँ।
- 1950 भारतीय संविधान में शिक्षा सम्बन्धी अनेक महत्वपूर्ण प्रावधान।
- 1953 माध्यमिक शिक्षा आयोग (Mudaliar Commission-1925) के प्रतिवेदन में माध्यमिक शिक्षा में सुधार हेतु संस्तुतियाँ।
- 1956 विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) की स्थापना।
- 1959 दुर्गाबाई देशमुख समिति (1958-59) के द्वारा स्त्री-शिक्षा के प्रोत्साहन हेतु संस्तुतियाँ।
- 1959 श्रीप्रकाश समिति द्वारा धार्मिक व नैतिक शिक्षा के सम्बन्ध में संस्तुतियाँ।